अमर उजाला कानपुर 09/02/2022

धनिया की फसल को सफेद चूर्ण रोग से बचाएं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय और डॉ. अजय कुमार सिंह ने मंगलवार को धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की। डॉ. राय ने बताया कि इस समय धनिया पुष्प अवस्था में है। दिन के तापमान में वृद्धि और रात के तापमान में गिरावट होने के कारण रोग होने की संभावना है। इस समय धनिया फसल में पाउडरी मिल्ड्यू (सफेद चूर्ण) रोग लग सकता है। रोग लगने पर धनिया के बीज नहीं बनते हैं या बहुत ही छोटे बीज बनते हैं। इसकी रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर में तीन किलो सल्फैक्स दवा को 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। जरूरत पड़ने पर एक हफ्ते बाद इसी दवा का फिर छिड़काव करें। (संवाद)

Sign in to edit and save changes to this file.

जन एक्सप्रेस

धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देश क्रम में मंगलवार को दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय एवं डॉ. अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रुप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि हरी पत्ती, औषधि, मसालों में धनिया का प्रमुख स्थान है। यह भोजन को सुगंधित व स्वादिष्ट बनाता है तथा औषधि के रूप में भी प्रयोग करने के साथ ही धनिया से कम क्षेत्रफल में अधिक आय प्राप्त होती है। डॉ.राय ने कहा कि इस समय धनिया पुष्प अवस्था पर है और दिन के तापमान में वृद्धि और रात के तापमान में गिरावट होने के कारण धनिया फसल में पाउडरी मिल्ड्यू (सफेद चूर्ण) रोग आने की प्रबल संभावना है। जिसका प्रकोप होने पर या तो बीज नहीं बनते हैं या बहुत ही कम छोटे बीज बनते हैं। जिससे धनिया की गुणवत्ता प्रभावित होती है। डॉ. राय ने किसानों को इस रोग की रोकथाम के लिए सल्फैक्स 3 किलोग्राम दवा को 1000 लीटर पानी में घोलकर अभिलंब छिड़काव करने तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः एक हफ्ते बाद इसी दवा का छिड़काव करने की सलाह दी।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष: 6, अंक : 290 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, बुधवार
9 फरवरी, 2022
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

पहले हकदार के लिए माफी मांगे बीजेपी फिर वोट मांगे: ममता...6

धनिया फसल को रोग से बचाएं किसानः-डॉ राजेश राय

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय एवं डॉ अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रुप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है।उन्होंने बताया कि हरी पत्ती,औषधि,मसालों में धनिया का प्रमुख स्थान है। उन्होंने कहा कि धनिया भोजन को सुगंधित व स्वादिष्ट बनाता है।और औषधि के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। तथा धनिया से कम क्षेत्रफल में अधिक आय प्राप्त होती है। डॉक्टर राय ने कहा कि इस समय धनिया पुष्प अवस्था पर है और दिन के तापमान में वृद्धि और रात के तापमान में गिरावट होने के कारण रोग आने की संभावना है। डॉक्टर राय ने किसानों को बताया कि इस समय धनिया फसल में पाउडरी मिल्ड्यू सफेद चूर्ण रोग आने की प्रबल संभावना है। या किसी किसी खेतों में यह रोग आ भी गया है। उन्होंने बताया कि रोग का प्रकोप होने पर या तो बीज नहीं बनते हैं या बहुत ही कम छोटे बीज बनते हैं। जिससे धनिया की गुणवत्ता प्रभावित होती है।इस रोग की रोकथाम के लिए डॉक्टर राय ने किसानों को सलाह दी है कि सल्फैक्स 3 किलोग्राम दवा को 1000 लीटर पानी में घोलकर अभिलंब छिड़काव कर दें। तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः एक हफ्ते बाद इसी दवा का छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि इस बीमारी की अधिकता से फसल नष्ट होने की संभावना रहती है। अतः किसान भाई इस फसल को रोग से बचाएं और सचेत रहें।

Sign in to edit and save changes to this file.

धनिया फसल को रोग से बचाएं किसान

हफ्तेभर के अंतराल में करें फसल पर दवा का छिड़काव

कानपुर, 8 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में आज दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय एवं डॉ अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि हरी पत्ती, औषधि, मसालों में धनिया का प्रमुख स्थान है। उन्होंने कहा कि धनिया भोजन को सुगंधित व स्वादिष्ट बनाता है और औषधि के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। तथा धनिया से कम क्षेत्रफल में अधिक आय प्राप्त होती है। डॉ राय ने कहा कि इस

समय धनिया पुष्प अवस्था पर है और दिन के तापमान में वृद्धि और रात के तापमान में गिरावट होने के कारण रोग आने की संभावना है। डॉ राय ने किसानों को बताया कि इस समय धनिया फसल में पाउडरी मिल्ड्यू (सफेद चूर्ण) रोग आने की प्रबल संभावना है या किसी किसी खेतों में यह रोग आ भी गया है। उन्होंने बताया कि रोग का प्रकोप होने पर या तो बीज नहीं बनते हैं या बहुत ही कम छोटे बीज बनते हैं। जिससे धनिया की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस रोग की रोकथाम के लिए डॉक्टर राय ने किसानों को सलाह दी है कि सल्फैक्स 3 किलोग्राम दवा को 1000 लीटर पानी में घोलकर अभिलंब छिड़काव कर दें। तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः एक हफ्ते बाद इसी दवा का छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि इस बीमारी की अधिकता से फसल नष्ट होने की संभावना रहती है। अतः किसान भाई इस फसल को रोग से बचाएं और सचेत रहें।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:17 | देहरादून, मंगलवार , 08 फरवरी, 2022 | पृष्ठ:08

धनिया फसल को रोग से बचाएं किसान

अनिल मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय एवं डॉ अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रुप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि हरी पत्ती, औषधि, मसालों में धनिया का प्रमुख स्थान है उन्होंने कहा कि धनिया भोजन को सुगंधित व स्वादिष्ट बनाता है और औषधि के रूप में भी प्रयोग किया जाता है तथा धनिया से कम क्षेत्रफल में अधिक आय प्राप्त होती है डॉक्टर

राय ने कहा कि इस समय धनिया पुष्प अवस्था पर है और दिन के तापमान में वृद्धि और रात के तापमान में गिरावट होने के कारण रोग आने की संभावना है डॉक्टर राय ने किसानों को बताया कि इस समय धनिया फसल में पाउडरी मिल्ड्यू (सफेद चूर्ण) रोग आने की प्रबल संभावना है या किसी किसी खेतों में यह रोग आ भी गया है उन्होंने बताया कि रोग का प्रकोप होने पर या तो बीज नहीं बनते हैं या बहुत ही कम छोटे बीज बनते हैं जिससे धनिया की गुणवत्ता प्रभावित होती है।इस रोग की रोकथाम के लिए डॉक्टर राय ने किसानों को सलाह दी है कि सल्फैक्स 3 किलोग्राम दवा को 1000 लीटर पानी में घोलकर अभिलंब छिड़काव कर दें तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः एक हफ्ते बाद इसी दवा का छिड़काव करें उन्होंने बताया कि इस बीमारी की अधिकता से फसल नष्ट होने की संभावना रहती है अतः किसान भाई इस फसल को रोग से बचाएं और सचेत रहें।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

मंगलवार, 08-02-2022 अंक-38

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

धनिया की फसल को रोग से बचाएं किसान : डॉ. राजेश राय

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में मंगलवार को दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय एवं डॉ. अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से धनिया उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

उन्होंने बताया कि हरी पत्ती, औषधि, मसालों में धनिया का प्रमुख स्थान है। धनिया भोजन को सुगंधित व स्वादिष्ट बनाती है और औषधि के रूप में भी इसका प्रयोग किया जाता है। धनिया से कम क्षेत्रफल में अधिक आय प्राप्त की जा सकती है। डॉक्टर राय ने कहा कि इस समय धनिया पुष्प अवस्था पर है और दिन के तापमान में वृद्धि और रात के तापमान में गिरावट होने के कारण रोग आने की संभावना है। डॉक्टर राय ने किसानों को बताया कि इस समय धनिया फसल में पाउडरी मिल्ड्यू (सफेद चूर्ण) रोग आने की प्रबल संभावना है या किसी किसी क्षेत्रों में यह रोग आ भी गया है। उन्होंने बताया कि रोग का प्रकोप होने पर यह तो बीज नहीं बनते या बहुत ही कम छोटे बीज बनते हैं। इससे धनिया की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस रोग की रोकथाम के लिए डॉक्टर राय ने किसानों को सलाह दी है कि सल्फेक्स तीन किलोग्राम दवा को 1000 लीटर पानी में घोलकर अतिलंब छिड़काव कर दें। तथा आवश्यकता पड़ने पर दोबारा एक हफ्ते बाद इसी दवा का छिड़काव करें। उन्होंने बताया कि इस बीमारी की अधिकता से फसल नष्ट होने की संभावना रहती है। इसलिए किसान भाई फसल को रोग से बचाएं और सचेत रहें।